नमस्कार, प्रधान अध्यापक और हमारे प्यारे सहपाठियों बड़े हर्ष की बात है कि हम सभी लोग बाल दिवस के पावन अवसर पर बाल दिवस मनाने के लिए इकट्ठा हुए हैं मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे बाल दिवस के ऊपर भाषण प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है मैं बाल दिवस के इस अवसर पर अपने विचार रखना चाहता/चाहती हूँ। बच्चे देश और समाज दोनों का भविष्य होते हैं ऐसे में बाल दिवस महापर्व हर्षोल्लास के साथ मनाना पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है। हम पूरे जीवन भर माता-पिता, शिक्षकों और अन्य संबंधियों के जीवन में बच्चों की भागीदारी और योगदान को नजअंदाज नहीं कर सकते। बच्चे सभी के द्वारा पसंद यह जाते हैं और उनसे सभी का बच्चों से विशेष लगाव होता है बिना बच्चे के जीवन नीरस और बेकार है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान को अगर आप पृथ्वी पर खोज रहे हैं तो आप बच्चे में उनका प्रतिबिंब देख सकते हैं बाल दिवस पूरे विश्व में धूमधाम के साथ मनाया जाता है सबसे बड़ी बात है कि बाल दिवस मना कर हम उन बच्चों को भी सच्ची श्रद्धांजलि दे रहे हैं जिनकी मृत्यु कम उम्र में हो गई।

बाल दिवस विभिन्न देशों में अलग-अलग तिथियों को मनाया जाता है हालांकि भारत में बाल दिवस 14 नवंबर को मनाया जाता है 14 नवंबर को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी का जन्म हुआ था उनको बच्चों से खास प्यार और लगाव था जिसके कारण बच्चे उन्हें चाचा नेहरू भी कहा करते थे बच्चों के प्रति उनके प्यार और स्नेह को देखते हुए जब 1964 में उनकी मृत्यु हुई तब उस समय के सरकार ने इस बात की घोषणा की कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन को अब भारत में बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा और तभी से बाल दिवस मनाने की परंपरा भारत में शुरू हुई और जो आज तक कायम है और आने वाले भविष्य में भी इसी तरह बाल दिवस को भारत में मनाया जाएगा। बाल दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है यह बच्चों का दिन होता है इस दिन बच्चों के लिए भिन्न प्रकार के प्रतियोगिता और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिनमें बच्चे सम्मिलित होकर अपना मानसिक और बौद्धिक विकास करते हैं और साथ में इन प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छोटे बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाता इस दिन का उत्सव बच्चों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करने की याद दिलाता है, जिसमें बच्चों का कल्याण, उचित स्वास्थ्य, देखभाल, शिक्षा, आदि शामिल है। बच्चों को चाचा नेहरू के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया जाता है।

Bal Duwas Par Bhashan

बच्चों को किसी भी मजबूत राष्ट्र की नींव.को मजबूत करने में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। छोटे बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं क्योंकि आने वाले दिनों में भविष्य की बागडोर उनके हाथों में होगी इसलिए छोटे बच्चों का समुचित विकास हो उसकी जिम्मेदारी हमारे ऊपर है और साथ में उनका चरित्र आदर्श हो उसके लिए भी हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा तभी जाकर बच्चों का चरित्र आदर्श और उच्चतम हो पाएगा तभी जाकर हमारा देश महान बनेगा। इसके अलावा बाल दिवस के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का भी काम किया जाता है छोटे बच्चों को हमें निम्नलिखित अधिकार प्राप्त होने चाहिए जिसका विवरण हम नीचे जा रहे हैं

- माता पिता मटका के द्वारा उन्हें उचित देखभाल और सभी प्रकार के बुनियादी सुविधा मिलनी चाहिए
- उन्हें उचित भोजन कपड़े इत्यादि प्रदान करना प्रत्येक माता-पिता का कर्तव्य है
- बच्चों को स्वास्थ्य वर्धक और स्वच्छ वातावरण देना ताकि वह अपने आप को सुरक्षित महसूस करें
- उचित और अच्छे स्तर की शिक्षा मिलनी चाहिए।
- विकलांग होने की स्थिति में उनके उचित देखरेख और भी ज्यादा करना होगा ताकि विकलांग बच्चे अपने आप को असहाय ना समझे

मैं अपना भाषण समाप्त करने से पहले आपसे अनुरोध करूंगा कि छोटे बच्चों का भविष्य आपके हाथों में है इसलिए उनके विकास के लिए आपको निरंतर काम करना होगा तभी जाकर बच्चों का भविष्य सुरक्षित और

उज्जवल बन पाएगा। मैं अपने भाषण का समाप्ति एक छोटे से कथन के माध्यम से करूंगा " आज के बच्चे कल का भविष्य"